आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–02 जुलाई 2025 भोजपुरी समाचार

अमरीका में क्वाड संगठन के सदस्य देसन के बइठकी मे पहलगाम हमला क निन्दा कइल गइल हवे। येह हमला में प्रदेस के कानपुर जिला के एगो नौजवान के लेके कुलि छब्बीस पर्यटकन अउर कुछु स्थानीय लोगिन क आतंकी अपरैल महीना में गोली मार के हत्या कइ दिहले रहले। क्वाड संगठन के सदस्य देस ई आतंकी हमला के दोसियन, साजिसकरता अउर धन उपलब्ध करावे वालन के जुरते सजा दियावे बदे संयुक्त राष्ट्र के देसन से सहजोग कइले के आहवाहन कइले हवे। एगो रिपोर्ट–

(डिस्पैच–आकाशवाणी समाचार कक्ष) 6

अमरीका के वॉशिंगटन डीसी में आयोजित क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के संयुक्त बयान में पहलगाम आतंकी हमले की कड़े शब्दों में आलोचना की गई है। बैठक में सीमापार आतंकवाद सहित सभी प्रकार के आतंकवाद की घोर निंदा की गई है। क्वाड संगठन स्वतंत्र और खुले हिंद–प्रशांत क्षेत्र के प्रति कटिबद्ध है। सदस्य देशों ने साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ संघर्ष के प्रति प्रतिबद्धता भी प्रकट की। समाचार कक्ष से मैं सरफिरोजी।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु भिन्ही लगतारे दुसरका दिन्ने गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दरसन कार्यक्रम में लोगिन क समेस्या सुनले। मुख्यमंत्री पछिला तीन दिन से गोरखपुर में रहले। उहां के आजु भिन्ही करीब दुइ सौ लोगिन से भेंट कइ के ओनसे प्रार्थना पत्र लेके संबंधित अधिकरियन के जुरते कार्रवाई क निरदेस दिहले। ओहां के फरियदियन के भरोसा दिहलें कि सरकार हर पीड़ित के समेस्या क समाधान करावे खातिर दृढ संकल्पित हवे।

****

भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान आईआईटी बीएचयू गन्ना के बायोमास अपसिस्ट अउर एगो नया खोजल गइल जीवाणु प्रजाति के मदद से हरित हाइड्रोजन उत्पादन क नवाचार कइले हवे। संस्थान के स्कूल ऑफ बायोकेमिकल इंजीनियरिंग के बायोमॉलिक्यूलर इंजीनियरिंग प्रयोगशाला के वैज्ञानिकन क ई नवाचार गन्ना उत्पादक बड़हन राज्य उत्तर प्रदेस में गन्ना के खोइ के सदुपयोग के प्रोत्साहित करी। सथहीं येह से पैदा होखे वाली पर्यावरणीय समेस्यो पर रोक लगी। संस्थान के बायोमॉलिक्यूलर इंजीनियरिंग प्रयोगशाला क प्रभारी आभा मिश्रा बतउलिनि कि ई अनुसंधान न खाली जैव–हाइड्रोजन उत्पादन क एगो व्यौवहारिक अउर सतत मार्ग प्रस्तुत करेला बलुक इहो दरसावेला कि क्षेत्रीय रूप से उपलब्ध लिग्नोसेलुलोसिक बायोमास अपशिष्ट के प्रभावी तरीका से मूल्यवान नवीकरणीय संसाधनन में बदलल जा सकेला।

****

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद अउर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान–एम्स कहले हवे कि कोविड के टीका अउर नौजवानन क अचक्के होखे वाली मउत के बिच्चे कउनो संबंध नाही बा। देस के दुइ गो प्रमुख चिकित्सा अनुसंधान संस्थानन के व्यापक अध्ययन में पुष्टि भइल हवे कि भारत में इस्तेमाल भइल कोविड क टीका सुरक्षित अउर परभावी रहल हवे। दुन्नो संस्थान दुइ गो अध्ययन कइले। पहिल अध्ययन मे लोगिन क आयु अट्ठारह अउर पैंतालीस बरिस के बिच्चे रहल। एगो रिपोर्ट

पहले अध्ययन का परिणाम यह दर्शाता है कि कोविड–19 टीकाकरण से लोगों में अचानक मृत्यु का जोखिम नहीं बढ़ता है। वहीं, दूसरा अध्ययन जो एम्स, नई दिल्ली द्वारा किया जा रहा है। उसके प्रारंभिक विश्लेषण यह पता चलता है कि हार्टअटैक या मायोकार्डियल इनफारक्शन, इस आयु वर्ग में अचानक मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है। यह अध्ययन भारत में युवा वयस्कों में अचानक होने वाली मृत्यु के बारे में अधिक व्यापक समझ प्रदान करते हैं। अध्यनों में यह भी कहा गया है कि मृत्यु के जोखिम में अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्यायों की भूमिका हो सकती है। वैज्ञानिक विशेषज्ञों ने दोहराया है कोविड टीकाकरण को अचानक मौतों से जोड़ने वाले बयान झूठे और भ्रामक हैं। आनंद कुमार के साथ, आकाशवाणी समाचार के लिए आदर्श, दिल्ली।

****

प्रदेस भर में सात जुलाई ले वन महोत्सव मनावल जा रहल हौ। एहमे सत्तईस विभागन की ओरि से करीब पैंतीस करोड़ पौधा लगवले क लक्ष्य बा। अभियान के तहत मऊ जिला में आजु एगो खास कार्यक्रम क आयोजन कइ के पछिला दुई दिन में जनम लेवे वाले सिसु के अभिभावकन के सांगवान क पौधा दिहल गइल। सथही ओन्हें ग्रीन गोल्ड प्रमाण पत्रो दिहल गइल। येह मौका पर सामाजिक वानिकी प्रभाग क निदेसक पीके पांडेय कहले कि ई पौधा न खाली पर्यावरण संरक्षण मे जोगदान देई, बलुक लकइन के साथे–साथे इहो पनपी अउर ओनके खातिर एगो आरथिक संपत्ति के तौर पर काम करी।

****

मौसम विज्ञान विभाग पूर्वी उत्तर प्रदेस में छह जुलाई ले कही–कहीं भारी बरखा अउर बिजुरी गिरले क धिरवनिया दिहले हवे। पच्छिमी उत्तर प्रदेसो में चार जुलाइ से इहे हालति रही। येह बिच्चे प्रदेस मे कइगो नदियन के जलस्तरो बढ़े लगल हौ। बनारस में गंगा नदी क जल स्तर तीन मीटर से बेसी बढि गइले के नाते चौरासी घाटन क आपसि संपर्क टूटे लागल हवे। एके देखत छोटहन नावन के चलवले पर रोकि लगा दिहल गइल हौ अउर जल पुलिस निरदेस दिहले हवे कि नावन में उनके निरधारित क्षमता से आधा यात्रिये बइठावल जाए। प्रदेस के शाहजहांपुर के लेके कुछु अउरियो जिलनों के नदियनो में जलस्तर के तेजी से बढ़ले के नाते बाढ़ क हालति बने लगल हवे।

****